

# ॥ श्री सीता माता की आरती ॥

Chalisamantras.com

आरती श्री जनक दुलारी की ।  
सीता जी रघुवर प्यारी की ॥

जगत जननी जग की विस्तारिणी,  
नित्य सत्य साकेत विहारिणी,  
परम दयामयी दिनोधारिणी,  
सीता मैया भक्तन हितकारी की ॥

आरती श्री जनक दुलारी की ।  
सीता जी रघुवर प्यारी की ॥

सती श्रोमणि पति हित कारिणी,  
पति सेवा वित वन वन चारिणी,  
पति हित पति वियोग स्वीकारिणी,  
त्याग धर्म मूर्ति धरी की ॥

आरती श्री जनक दुलारी की ।  
सीता जी रघुवर प्यारी की ॥

विमल कीर्ति सब लोकन छाई,  
नाम लेत पवन मति आई,  
सुमीरात काटत कष्ट दुख दाई,  
शरणागत जन भय हरी की ॥

आरती श्री जनक दुलारी की ।  
सीता जी रघुवर प्यारी की ॥

[Chalisamantras.com](http://Chalisamantras.com)

Chalisamantras.com